an>

Title: Need to take steps to ban the sale of liquor in Chhattisgarh.

श्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मेरे शून्यकाल का विषय देश में पूर्ण शराबबंदी लागू करना है। शराब ऐसी सामाजिक बीमारी के तौर पर पूरे देश में व्याप्त हो गया है, जिससे निकल पाना संभव नहीं हो पा रहा है। शराब से बड़ी-बड़ी गंभीर बीमारियाँ हो रही हैं, इसके कारण सर्वाधिक दुर्घटनाएँ हो रही हैं, लड़ाई-झगड़े, मारपीट, हत्या, बलात्कार जैसी अनेक घटनाएँ हो रही हैं। इसके कारण जन-जीवन व नयी पीढ़ियाँ बर्बाद हो रही हैं।

छत्तीसगढ़ में तो सरकार काफी आगे आकर खुद शराब बेचने का नियम बना चुकी है। सरकार का काम व्यापार करना नहीं है। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ सरकार खुद शराब की दुकान चलाना चाह रही है।

छत्तीसगढ़ में पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। महिलाओं के संगठन गांव व शहरों में बनते जा रहे हैं, जिसे महिला कमांडो कहा जाता है। प्रत्येक गांव व शहरों के वार्डों में पचास से सौ महिला कमाण्डो का संगठन शाम को लाठी व सीटी लेकर निकलती है। शराब पीकर कोई गली में न निकले, अवैध शराब की बिक्री न हो और शराब की बिक्री पूर्णतः बंद करने की मांग को लेकर वे महिला कमाण्डो निकलती हैं। शराब ठेकेदार व शराब कोचियों के लठैत महिलाओं को मारपीट करते हैं और उन पर धारा लगाकर जेल में बंद करते हैं।

अतः छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में पूर्णतः शराब की बिक्री को बंद किया जाए, ताकि इस गंभीर सामाजिक बुराई से आने वाली पीढ़ियों को बचाया जा सके।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Tamradhwaj Sahu.